नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 28.11.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, **महात्मा ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि** के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बी.एड. विभाग की सहायक आचार्या श्रीमती पुष्पा निषाद ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले का समाज सेवा के क्षेत्र बहुत बड़ा योगदान है। उनका जीवन मुख्यतः स्त्री शिक्षा एवं स्त्री आत्मनिर्भरता के लिए समर्पित रहा। गरीबों और निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा फुले ने **'सत्यशोधक समाज'** स्थापित किया। जो कि निरन्तर समाज सेवा के कार्य में संलग्न रहा। ज्योतिबा फुले को सन्त महात्माओं की जीवनीयाँ पढ़ने में बड़ी रुचि थी। वे सन्तो के विचार का अनुशरण करते थे। उन्हे नर–नारी की समानता में गहरी आस्था थी। नारी उत्थान हेतु उन्होने 1848 में एक स्कूल खोला। यह इस काम के लिए देश का पहला विद्यालय था। लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नही मिली तो उन्होने स्वयं कुछ दिन यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री बाई को इस योग्य बना दिया। अनेक विरोधों के बावजूद वे रूके नही एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल खोल दिये। उनकी समाज सेवा देखकर 1888 ई. में मुम्बई की विशाल सभा में उन्हे महात्मा की उपाधि प्रदान की गयी। छत्रपति शिवाजी, राजा भोषला का पखड़ा आदि अनेक पुस्तके भी उन्होंने लिखी। उनके संगठन के संघर्ष के कारण सरकार ने 'एग्रीकल्चर एक्ट' पास किया।

कार्यक्रम में डॉ. यशवन्त राव, डॉ. रामकान्त दूबे, श्री वागीश राज पाण्डेय, डॉ. सौरभ सिंह, श्रीमती शिप्रा सिंह, श्री संजय जायसवाल, श्री सुबोध मिश्र, सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ. शिव कुमार बर्नवाल सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी